

‘जल स्वावलम्बन पखवाड़े में वर्षा जल संग्रहण व स्वच्छता पर जोर दिया जायेगा’

मुख्यमंत्री भजनलाल ने अधिकारियों को पखवाड़े की गतिविधियों में आमजन व गाँवों को जोड़ने के निर्देश दिये

■ **मुख्यमंत्री ने कहा कि 21 जून को योग दिवस को प्रदेश की संस्कृति एवं धरोहर से जोड़ते हुए हर संभाग व जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर योगाभ्यास का आयोजन सुनिश्चित करने के लिए निर्देश दिये गये हैं।**



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विभिन्न विभागों के उच्चाधिकारियों को 5 जून से 20 जून तक मनाये जाने वाले जल स्वावलम्बन पखवाड़े में आयोजित होने वाली गतिविधियों में आमजन की पूर्ण सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 5 जून से 20 जून तक जल स्वावलम्बन पखवाड़ा मनाया जाएगा। 5 जून को गंगा दशमी एवं विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में, प्रत्येक ग्राम एवं शहर में समस्त विभागों द्वारा जल स्रोतों, नदियों, जल धाराओं एवं तालाबों पर पूजन, कलश यात्रा, जागरूकता अभियान, स्वच्छता

अभियान एवं अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। शर्मा ने कहा कि जल स्वावलम्बन पखवाड़े में पेयजल स्रोतों की सफाई, मरम्मत, जल बचत हेतु जन जागरूकता अभियान सहित अन्य कार्यक्रम भी संचालित किए जाएंगे।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर विश्व भर में 21 जून

को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। स्वास्थ्य की दृष्टि से योग का बड़ा महत्व है और राज्य सरकार ने इस वर्ष के योग दिवस के आयोजन को प्रदेश की संस्कृति एवं धरोहर से जोड़ते हुए, प्रत्येक संभाग व जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर योगाभ्यास का आयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

राजस्थान सहित ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पाक युद्ध के बाद पहली बार इतने बड़े पैमाने पर हुआ मौक़ ड़िल था, तथा देशभर के 250 स्थानों और 33 राज्यों व केन्द्र शासित प्रदेशों में यह मौक़ ड़िल की गई थी।

जस्टिस के.आर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बॉम्बे हाईकोर्ट का अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया गया और 2 मार्च, 2016 को इस पद पर स्थाई नियुक्ति दी गई। जस्टिस श्रीराम को 21 सितंबर 2024 को मद्रास हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के पद पर पदोन्नत किया गया। दूसरी ओर, व्यक्तिगत जीवन में सीजे श्रीराम सामाजिक कार्यों में सक्रिय रूप से शामिल होते थे। उन्होंने कई सालों तक एक एनजीओ में उपाध्यक्ष के तौर पर काम किया। यह एनजीओ दिवंगत लोगों के लिए अंतिम संस्कार और श्राद्ध करने की व्यवस्था करता है। इसके अलावा उन्हें गोल्फ खेलना भी पसंद है।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में कांग्रेस का एक अहम चेहरा माना जाता है।

केरल में कांग्रेस के कुछ नेता, वेणुगोपाल की कृपा पाने के लिए, थरूर पर निशाना साध रहे हैं और उनके खिलाफ नित नई कहानियाँ गढ़ रहे हैं।

संगठन का निर्माण करने, राज्य इकाइयों को मजबूती प्रदान करने, नरेन्द्र मोदी की विफलताओं को उजागर करने, विभिन्न राज्यों में विधानसभा चुनाव जीतने की रणनीति बनाने तथा नरेन्द्र मोदी को सत्ता से बेदखल करने के प्रयासों के बजाय, कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता अपना समय, ऊर्जा और प्रयास थरूर पर हमला बोलने और उन्हें पार्टी से निकलवाने में लगा रहे हैं।

थरूर कांग्रेस की बड़ी तस्वीर में एक छोटा हिस्सा है, लेकिन वेणुगोपाल जैसे नेताओं के लिए वही पूरी तस्वीर बन चुके

है। भाजपा के वरिष्ठ नेता भी मानते हैं कि फिलहाल मोदी सबसे कमजोर स्थिति में हैं, लेकिन कांग्रेस मोदी पर निशाना साधकर इस अवसर का लाभ नहीं उठा रही है और न ही मोदी और भाजपा-आरएसएस के बीच की दरारों को राजनीतिक रूप से भुनाया जा रहा है। कांग्रेस को पूरी तरह एहसास है कि उसकी सबसे बड़ी कमजोरी संगठन है, और इसी को दुरुस्त करने की ज़रूरत है। लेकिन जब राहुल गांधी ने वेणुगोपाल को संगठन पर एकतरफा नियंत्रण दे रखा है, तो सुधार की सारी कोशिशें शुरू होने से पहले ही विफल हो जाती हैं। अगर राहुल गांधी वास्तव में चुनाव जीतना चाहते हैं, मोदी को सत्ता से हटाना चाहते हैं और कांग्रेस को देश की मुख्यधारा की राजनीति में वापसी दिलाना चाहते हैं तो उन्हें पार्टी और संगठन पर पूरा ध्यान देना होगा।

लोकपाल ने पूर्व सेबी प्रमुख माधवी बुच पर लगे भ्रष्टाचार के सभी आरोप खारिज किए

माधवी बुच को क्लीन चिट देते हुए लोकपाल ने कहा कि हिंडन बर्ग रिपोर्ट को बुच के खिलाफ कार्यवाही का आधार नहीं बनाया जा सकता

नयी दिल्ली, 28 मई। भ्रष्टाचार से जुड़ी शिकायतों की जांच करने वाली संस्था लोकपाल ने बुधवार को हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट के आधार पर बाजार नियामक सेबी की पूर्व प्रमुख माधवी पुरी बुच के खिलाफ अनुचित व्यवहार और हिंतों के टकराव का आरोप लगाने वाली शिकायतों को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि आरोप पूरी तरह से धारणा पर आधारित हैं और उसके समर्थन में कोई ठोस सबूत नहीं है। लोकपाल चेयरपर्सन न्यायमूर्ति ए एम खानविलकर की अध्यक्षता वाली छह सदस्यीय पीठ ने आदेश में माना कि शिकायतों की जांच का आदेश देने के लिए कोई प्रथम दृष्टया मामला मौजूद नहीं है। लोकपाल ने कहा कि आरोप निराधार, अप्रमाणित और काफी हद तक निरर्थक हैं।

अपने आदेश में लोकपाल ने उल्लेख किया कि जब बुच ने सेबी में कार्यभार स्वीकार किया था, तब

■ **लोकपाल चेयरपर्सन जस्टिस ए एम खानविलकर ने कहा, आरोप निराधार, अप्रमाणित तथा निरर्थक हैं।**

उन्होंने एएपीएल में अपने शेयरों और अपने पति के पक्ष में किए गए हस्तांतरणों का खुलासा किया था। इस बात का दूर-दूर तक कोई संकेत नहीं है कि उन्होंने सेबी के पूर्णकालिक सदस्य के रूप में कार्यभार संभालने के बाद भी एएपीएल के बैनर तले अपना परामर्श कार्य जारी रखा। बुच के खिलाफ आरोप पूरी तरह से हिंडनबर्ग रिपोर्ट पर आधारित हैं, शिकायतकर्ता आरोपों को पुष्ट करने के लिए कोई ठोस सबूत पेश करने में विफल रहे हैं। लोकपाल ने आदेश में कहा कि इसको देखते हुए इन शिकायतों का निपटान

किया जाता है।

लोकपाल ने इस संबंध में पहले के आदेश का हवाला देते हुए कहा कि हिंडनबर्ग रिपोर्ट को बुच के खिलाफ कार्रवाई बंद ाने का एकमात्र आधार नहीं बनाया जा सकता। आदेश में कहा गया, “शिकायतकर्ताओं ने कथित रिपोर्ट से स्वतंत्र होकर आरोपों को स्पष्ट करने का प्रयास किया, लेकिन हमारे विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकला कि वे प्रमाणिक नहीं हैं। लोकपाल ने पिछले साल आठ नवंबर को लोकसभा सदस्य मोइत्रा और दो अन्य की तरफ से दायर शिकायतों पर बुच से “स्पष्टीकरण मांगा था। पुंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी) की पूर्व प्रमुख बुच को चार सप्ताह के भीतर अपना जवाब देने के लिए कहा गया था। बुच ने सात दिसंबर, 2024 को हलफनामे के माध्यम से अपना जवाब दाखिल किया था। उसमें उन्होंने कुछ मुद्दे उठाए थे।

देश में कोरोना के एक हजार से ज्यादा एक्टिव केस

नयी दिल्ली, 28 मई। भारत में कोविड-19 के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, देश में कोरोना वायरस से संक्रमित सक्रिय मामले 1,010 हैं। आंकड़ों के अनुसार, केरल और महाराष्ट्र सबसे गंभीर रूप से प्रभावित राज्यों में से हैं। मामलों में यह वृद्धि दो नए उप-वेरिएंट – एनबी.1.8.1 और एलएफ.7 – का पता लगने के साथ हुई है, जिनकी वर्तमान में वैश्विक स्वास्थ्य प्राधिकरण निगरानी

■ **सबसे ज्यादा 430 एक्टिव केस केरल में हैं, इनमें से 335 नए मामले हैं।**

कर रहे हैं। भारत सहित सिंगापुर, चीन, थाईलैंड और हांगकांग जैसे अन्य दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों में भी कोविड के मामलों में वृद्धि देखी गई है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी किए गए राज्यवार आंकड़ों के अनुसार, केरल और महाराष्ट्र में कोरोनावायरस के मामलों में सबसे

ज्यादा वृद्धि देखी गई है। केरल में 430 मामले सामने आए हैं, जिनमें से 335 नए हैं। इस बीच, महाराष्ट्र में 154 नए संक्रमण के साथ 210 मामले सामने आए हैं।

‘तमिल भाषा से जन्मी है कन्नड़’

फिल्म स्टार कमल हासन की इस टिप्पणी से कर्नाटक में बवाल मच गया है

-लक्ष्मण कुची-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

बेंगलुरु, 28 मई। भाषा का मुद्दा कर्नाटक में बेहद संवेदनशील बन चुका है, जहां इससे जुड़ा हर पहलू यहां के लोगों और कार्यकर्ताओं के दिलों-दिमाग में सर्वोपरि है। हिंदी भाषी प्रवासी अपनी हरकतों व बातों से पहले ही कन्नड़ बोलने वालों को मानसिक तनाव दे रहे हैं और अब तमिल फिल्म

सुपरस्टार कमल हासन की कन्नड़ भाषा पर की गई विवादास्पद टिप्पणी ने राज्य को आक्रोशित कर दिया है। कमल हासन की यह टिप्पणी कि “तमिल ने कन्नड़ को जन्म दिया” सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है। इसके बाद कर्नाटक के लोग और भाजपा की कर्नाटक इकाई समेत कई लोगों ने अभिनेता से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की है। चेन्नई में अपनी फिल्म “ठग लाइफ” के प्रचार कार्यक्रम के दौरान दिए गए इस बयान की वीडियो क्लिप तेजी से वायरल हो गई है।

इस टिप्पणी के खिलाफ बेंगलुरु, मैसूर, हुबली और कुछ अन्य शहरों में कई कन्नड़ समर्थक संगठनों ने विरोध प्रदर्शन किए। प्रदर्शनकारियों ने कमल हासन से कहा है कि कर्नाटक की जनता

■ **कर्नाटक में उनकी इस टिप्पणी का भारी विरोध किया जा रहा है। कन्नड़ एक्टिविस्ट धमकी दे रहे हैं कि अगर एक्टर ने माफी नहीं मांगी तो उनकी फिल्म “ठग लाइफ” को कर्नाटक में प्रदर्शित नहीं होने दिया जाएगा।**

■ **कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा, “कन्नड़ भाषा का इतिहास बहुत पुराना है... बेचारे कमल हासन को यह पता ही नहीं है।”**

से माफी मांगें और चेतावनी दी कि अगर ऐसा नहीं किया गया तो वे राज्य में “ठग लाइफ” फिल्म का प्रदर्शन नहीं होने देंगे। एक्स पर विजयेन्द्र नामक एक यूज़र ने अभिनेता की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, “अपनी मातृभाषा से प्रेम करना चाहिए, लेकिन किसी अन्य भाषा का अपमान करना असंस्कारी व्यवहार है। विशेष रूप से कलाकारों को हर भाषा का सम्मान करना चाहिए। यह अत्यधिक अहंकार की पराकाष्ठा है कि एक ऐसा अभिनेता, जिसने कई भारतीय भाषाओं में काम किया है, जिसमें कन्नड़ भी शामिल है, वह अपनी तमिल भाषा को महिमांमंडित करते हुए कन्नड़ का अपमान कर रहा है, यही नहीं उसने अभिनेता शिवराज कुमार को भी इसमें कन्नड़ भी शामिल है।”

यूज़र ने आगे कहा, “कन्नड़ भाषा

भारत समेत विश्व के कई हिस्सों में ऐतिहासिक रूप से स्थापित रही है। कन्नड़ दुनिया की सबसे मान्यता प्राप्त भाषाओं में से एक है, यह बात कमल हासन जैसे संकीर्ण मानसिकता वालों को समझनी चाहिए।”

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने इस विवाद पर टिप्पणी करते हुए कहा, “कन्नड़ भाषा का इतिहास बहुत लंबा है। बेचारे कमल हासन इससे अनजान हैं।” इसी तरह की भावनाएं व्यक्त करते हुए भाजपा कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष बी.वाय. विजयेन्द्र ने कहा, “कमल हासन कोई इतिहासकार नहीं हैं कि वे यह तय करें कि कौन-सी भाषा किससे उत्पन्न हुई। कन्नड़ भाषा, जिसका इतिहास ढाई हजार साल से भी अधिक पुराना है, भारत के नक्शे पर समृद्धि और सौहार्द का प्रतीक है।”

भारत की विशाल सैन्य क्षमता...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सकता है, जिससे परमाणु उपयोग की सीमा और भी नीचे आ जाती है। पाकिस्तानी सेना मानती है कि यह रणनीति उसकी प्रतिरोधक शक्ति को मजबूत करती है और भारत की पारंपरिक श्रेष्ठता के बावजूद, दोनों देशों के बीच सामरिक संतुलन बनाए रखती है।

हालांकि, डीआइए चेतावनी देता है कि यह रणनीति अत्यंत गंभीर जोखिमों से भरी हुई है। टैक्टिकल परमाणु हथियारों की तैनाती से गलत अनुमान या आकस्मिक उकसावे का खतरा काफी बढ़ जाता है। इस हथियारों को आगे की पंक्ति में तैनात करने और कमान का विकेन्द्रीकरण करने की ज़रूरत होती है, जिससे इनका

अनाधिकृत उपयोग या चोरी का खतरा बढ़ जाता है। और एक बार यदि परमाणु हथियारों का प्रयोग शुरू हो गया तो भले ही वह कम क्षमता वाला हो, स्थिति को काबू में रखना बेहद मुश्किल हो जाता है। घबराहट, गलतफहमी या राजनीतिक दबाव के चलते पूर्ण परमाणु युद्ध की संभावना से इन्कार नहीं किया जा सकता।

चीन पर पाकिस्तान की बढ़ती सैन्य निर्भरता स्थिति को और जटिल बना देती है। डीआईए की रिपोर्ट बताती है कि यह रणनीतिक साझेदारी इस्लामाबाद को खास तौर पर मिसाइल तकनीक और “कर्मांड-एंड-कंट्रोल सिस्टम्स” को तेजी से आधुनिक बनाने में मदद कर रही है। हालांकि इससे पाकिस्तान की सैन्य क्षमताएं बढ़ती हैं, लेकिन इससे

क्षेत्र में हथियारों की होड़ भी बढ़ रही है और संकटों के समाधान की संभावना कम हो रही है।

डीआईए की 2025 की खतरा-आकलन रिपोर्ट यह स्पष्ट करती है कि भारत को लेकर पाकिस्तान का “अस्तित्व संबंधी खतरे” का नज़रिया केवल बयानबाजी नहीं है, यह उसकी राष्ट्रीय सुरक्षा नीति का प्रमुख आधार है। उसके टैक्टिकल परमाणु हथियारों और विषम युद्ध क्षमताओं में लगातार निवेश से उसकी पारंपरिक सैन्य असुरक्षा झलकती है। यह रणनीति भले ही अल्पकालिक प्रतिरोध की गारंटी देती हो, लेकिन इससे परमाणु हथियारों के उपयोग की हद खतरनाक रूप से घट जाती है और पहले से अस्थिर इस क्षेत्र को और अधिक विस्फोटक बना देती है।

राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

विकसित कृषि संकल्प अभियान

भारत सरकार द्वारा राज्य सरकारों के सहयोग से देशभर में **29 मई से 12 जून, 2025 तक चलाया जाएगा यह अभियान**

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के **"लैब टू लैंड"** विजन को मिलेगा नया आयाम

कृषि वैज्ञानिक और कृषि विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी प्रदेश के सभी जिलों के **330 ब्लॉकों के 3959 गाँवों** में जाकर किसानों के साथ करेंगे सीधा संवाद

विकसित राजस्थान के लिए **विकसित खेती व किसानों को समृद्ध करने हेतु महत्वपूर्ण कदम**

29 मई, 2025 | प्रातः 10:00 बजे
स्थान - रत्नावता, किशनगढ़ (अजमेर)

सशक्त किसान - समृद्ध राजस्थान

कृषि विभाग, राजस्थान